एक नजर में

फ्लाइंग ईगल व पंजाबन स्ट्राइकर ने जीता सिख प्रीमियर लीग

इंदौर. मप्र व शहर के सिख समाज के युवाओ में स्पोर्ट्स टेलंट को उभारने के लिए मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ केंद्रीय श्री गुरु सिंघ सभा द्वारा 15 दिवसीय टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट सिख प्रीमियर लीग सीज़न 4 का आयोजन किया गया. यह आयोजन श्री गुरुसिंघ सभा इंदौर व मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ केंद्रीय श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष हरपाल सिंघ मोनू भाटिया के सौजन्य से आयोजित किया गया. मोनू भाटिया ने बताया कि हम लगातार दो वर्षों से यह आयोजन करते आ रहे हे यह इस आयोजन का चौथा वर्ष है. स्पर्धा में 170 टीमों ने भाग लिया जिसमे कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले. आयोजन के कन्वीनर जगजीत सिंघ रिक्की गांधी ने बताया कि खास बात यह रही कि रोजाना टीमों के मैचेस होते थे जिसमें खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सिख समाज के लोग एकत्रित होते थे. इसमें 9 साल से लेकर 75 साल तक के खिलाड़ियों ने भाग लिया. सभी टीमों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए कुल 4 वर्गों की टीम ने यह खिताब अपने नाम किया. अंडर 12 केटेगिरी में गेम चेंजर, 12 तो 18 केटेगिरी में विष्णुपूरी, विमेंस टीम में द पंजाबन स्ट्राइकर मैंस 18 प्लस में फ्लाइंग ईगल ने सीज़न 4 का खिताब अपने नाम किया. इसी के साथ सभी टीमों को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार भेट किया गया.

प्रो. डीजी धवलीकर स्मृति व्याख्यान आयोजित

इंदौर. एसजीएसआईटीएस में 25वां प्रो. डीजी धवलीकर स्मृति व्याख्यान एवं स्वर्ण पदक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स (एएसई) तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं- इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स, इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी एवं इंडियन सोसाइटी ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स- के संयुक्त सहयोग से किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स के अध्यक्ष इंजी. एचआई मेहता के स्वागत उद्बोधन से हुआ. तत्पश्चात इंजीनियर डीएस परिहार, सचिव एएसई इंदौर द्वारा स्मृति व्याख्यान की पृष्ठभूमि एवं स्व. प्रो. डी. जी. धवलीकर के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया गया. स्व. प्रो. डी. जी. धवलीकर, एसजीएसआईटीएस के पूर्व निदेशक एवं इस एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. टीजी सीथराम पूर्व अध्यक्ष एआईसीटीई एवं पूर्व निदेशक आईआईटी गुवाहाटी उपस्थित रहे. विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर महावीर बिदासरिया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. नीतेश पुरोहित निदेशक एसजीएसआईटीएस द्वारा की गई. इस अवसर पर प्रो. सीताराम द्वारा अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भू-तकनीकी एवं भू-भौतिकीय अन्वेषण तथा नींव डिजाइन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम में स्वर्ण पदक पुरस्कार समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान किया गया. संचालन इंजीनियर संजय जैन द्वारा किया गया.

तिलकनगर चौराहे पर सम्पन्न सांई बाबा का भंडारा

इन्दौर. ऊँ श्रीश्री सांई सेवा समिति, तिलकनगर मेनरोड़, यूको बैंक चौराहा के तत्वावधान में विगत 17 वर्षो से लगातार विशाल भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तारतम्य में भंडारे का आयोजन किया गया. इसमें विशेष रूप से महंतश्री दादू महाराज, विधायक महेन्द्र हार्डिया, रीना बौरासी सेतिया उपस्थित हुए. कार्यक्रम में सबसे पहले सांई बाबा की महाआरती हुई उसके पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन प्रारंम्भ हुआ. आयोजन में विशेष रूप से दिलीप बौरासी, निर्मला बौरासी, गुलाब चौधरी, देवेन्द्र मैथिल, रोहित धिमान, आशीष केदार, रिंकू साल्वे, नागेश राणा, प्रीति बौरासी, मनोज सिसोदिया, सुनिल सिकरवार, दिनेश भदौरिया, दीपक सैनी, आकाश सिसोदिया, रोशन झरिया, विकास केदार, मुकेश त्रिपाठी, मोंटू खरे, आकाश राठौर, राकेश परिहार, अनुराग बौरासी, राघव सेनिवाल, धीरज गोयल, पप्पू सिलावट, युवराज धीमान, चिंतन, युवराज (बाबू), राजू प्रजापत, राधेश्याम श्रीवास्तव (बीनू) ने अपना सहयोग दिया,

निरंतर सीखते रहना जरूरी

इंदौर. श्रीवैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस (एसवीआईएमएस) में एआईएमएस के सहयोग से तत्वमंथन-2026 : रीइमेजिनिंग एकेडेमिया इन द बानी वर्ल्ड का ऑनलाइन आयोजन हुआ. कार्यक्रम में बदलते वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा, कौशल और नवाचार पर मंथन किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. पराग कालकर प्रो-वाइस चांसलर, सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी पुणे ने कहा कि प्रोफेशनल डिग्रियों की भी एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए निरंतर सीखना जरूरी है. विशिष्ट अतिथि डॉ. गणेश राव (निदेशक पुणे बिजनेस स्कूल) ने शिक्षा को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने, रिफ्रेशर कोर्स बढ़ाने और भारतीय जरूरतों के अनुसार शिक्षा मॉडल विकसित करने की बात कही. वहीं, एआईएमएस एमपी चैप्टर के प्रेसिडेंट व संस्थान निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने कहा कि बानी फ्रेमवर्क के दौर में शोध, नवाचार और शिक्षण पद्धति में बदलाव जरूरी है. कार्यक्रम में डॉ. संतोष धर, डॉ. विनोद डंबलेकर, डॉ. सिरियाक नेलिकुनेल, डॉ. मेघना वर्मा और शिल्पी सिंह सहित विशेषज्ञों ने शिक्षा, लीडरशिप और स्किल डेवलपमेंट पर चर्चा की. समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. उपिंदर धर रहे. पांच संवाद सत्रों और एक स्टूडेंट सत्र में 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. संचालन डॉ. चांदनी केसवानी ने किया, जबकि आभार डॉ. मंदीप गिल ने माना. इस दौरान डॉ. क्षमा पैठणकर और डॉ. दीपा कटियाल सहित अन्य फैकल्टी मौजूद रहे.

शराब के पैसों को लेकर दो पक्षों में चाकूबाजी और फायरिंग

- दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, चाय कैफे पर हुआ विवाद

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया इलाके में रविवार रात एक चाय कैफे पर हुआ विवाद अचानक हिंसक हो गया. शराब के पैसों को लेकर शुरू हुए झगड़े में चाकू चल गया और फायरिंग भी हुई. हालांकि गोली किसी को नहीं लगी, लेकिन मौके पर अफरा-तफरी और दहशत फैल गई.

घटना स्कीम नंबर 78 स्थित चाय चौकी कैफे की है. बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे और पुराने विवाद को सुलझाने के लिए मिले थे, लेकिन बातचीत के दौरान ही मामला फिर बिगड़ गया. ऋषभ राजपूत ने पुलिस को बताया कि आर्यन पटेल और निखिल उर्फ हैनी उससे शराब के लिए पैसे मांग रहे थे. मना करने पर दोनों ने गाली गलौज शुरू कर दी. इसी दौरान आर्यन ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया. जबकि आर्यन पटेल का कहना है कि पहले ऋषभ ने ही हमला किया और बाद में अपनी एक्टिवा से पिस्टल निकालकर उस पर 2 से 3 फायर किए. मामले में लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है. पुलिस ने ऋषभ और आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि निखिल उर्फ हैनी फिलहाल फरार है, उसकी तलाश जारी है.

ऐसे शुरू हुआ था विवाद...

दोनों पक्ष पहले से एक-दूसरे को जानते थे और पुराने झगड़े को खत्म करने के लिए चाय चौकी कैफे पर मिले थे. बातचीत के दौरान शराब के पैसों को लेकर बहस शुरू हो गई. इस दौरान एक पक्ष ने शराब के लिए पैसे मांगे, लेकिन इनकार करने पर कहा-सुनी बढ़ गई. देखते ही देखते विवाद गाली गलौज से मारपीट में बदल गया. इसी दौरान एक ने चाकू निकालकर हमला कर दिया, जबकि दूसरे पक्ष ने पिस्टल से फायरिंग कर दी. यही मामूली पैसों का विवाद कुछ ही मिनटों में हिंसक हो गया और इलाके में दहशत फैल गई.

अनधिकृत व्यक्ति द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान निलंबित

- स्टॉक में भारी गड़बड़ी सहित अन्य अनियमिताएं भी मिलीं

इंदौर. जिले के स्कीम नंबर 78 स्थित प्रियदर्शनी महिला प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 809305 पर गंभीर अनियमितताओं के चलते बड़ी कार्रवाई की गई है. यह कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में की गई है. दुकान को आगामी आदेश तक के लिए निलंबित कर दिया गया है. लगातार राशन वितरण में गड़बड़ी और पात्रता से कम राशन देने की शिकायतों के आधार पर खाद्य विभाग की जिला स्तरीय टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था.

जिला आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि जांच के दौरान दुकान पर गेहूं एवं चावल के स्टॉक में भारी अंतर पाया गया। साथ ही दुकान पर अनिवार्य रूप से लगाए जाने वाले पीला बोर्ड एवं स्टॉक बोर्ड भी नहीं मिले. जांच में यह भी पाया गया कि हितग्राहियों को मार्च माह में दो माह का राशन पात्रता अनुसार वितरित नहीं किया गया, बल्कि केवल एक माह का ही राशन दिया गया. जांच में पाया गया कि दुकान का संचालन अधिकृत विक्रेता के बजाय किसी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था. इन सभी अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए दुकान को आवंटित प्राधिकार पत्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. यह कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी अविनाश जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंकुर गुप्ता एवं श्रीमती तृप्ति माला मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से की गई.

इंदौर-देवास बायपास बना मौत का रास्ता, गड्ढे और अंधेरे से रोज हो रहे हादसे

- टोल वसूली के बाद भी बदहाल सड़क
- किसान नेता ने मंत्री पर साधा निशाना

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर-देवास बायपास की बदहाल हालत को लेकर फिर सवाल खड़े हो गए हैं. जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सड़क और अंधेरे के कारण यह मार्ग अब मौत का रास्ता बनता जा रहा है. रोजाना हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता बनी हुई है.

किसान नेता हंसराज मंडलोई ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि करोड़ों टोल वसूली के बावजूद बायपास की हालत अत्यंत खराब है. उन्होंने कहा कि अर्जुन बड़ौदा ब्रिज का निर्माण अधूरा पड़ा है, जिससे वाहन चालक उल्टी दिशा में चलने को मजबूर हैं और दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है. उन्होंने बताया कि झालरिया ब्रिज का काम भी बेहद धीमी गति से चल रहा है. रावखेड़ी से देवास तक और राऊ तक पूरे बायपास की सड़क उखड़ चुकी है, जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं. सर्विस रोड की हालत और खराब है, जो छोटे छोटे तालाब जैसी दिख रही है.

कार्य जल्द शुरू नहीं करने पर दी बेमियादी चक्काजाम की चेतावनी

वहीं सेंट्रल लाइटिंग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि लाइटें कुछ ही समय में बंद हो गईं, जिससे रात में अंधेरा और खतरा बढ़ गया है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार कार्य शुरू नहीं किया तो मांगलिया बायपास पर अनिश्चितकालीन चक्का जाम किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी. मंडलोई का कहना है कि इधर अर्जुन बड़ौदा ब्रिज के पास जाम की स्थिति आम हो गई है. हाल ही में यहां एक ट्राला नाली में फंस गया, जो ब्रिज की दीवार से टकराकर रुक गया, गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया, वरना कई जानें जा सकती थीं.

टोल कंपनी पर भी लगाए गंभीर आरोप : मंडलोई ने आरोप लगाया कि बायपास का अधिकांश हिस्सा सांवेर विधानसभा में आता है, जहां के विधायक और प्रदेश सरकार में मंत्री तुलसी सिलावट हैं, इसके बावजूद समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा. उन्होंने यह भी कहा कि बड़े अधिकारी और नेता रोज इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन सुधार की कोई पहल नहीं हो रही. मंडलोई ने टोल कंपनी पर भी गंभीर आरोप लगाए. उनका कहना है कि कंपनी लागत से कई गुना ज्यादा टोल वसूल चुकी है, फिर भी सड़क की मरम्मत नहीं कर रही.

सामाजिक संगठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी काम करें

- अग्रसेन महासभा के नए पदाधिकारियों को पूर्व केन्द्रीय मंत्री के आतिथ्य में दिलाई गई शपथ

इन्दौर. सामाजिक संगठनों को और अधिक सक्षम, सम्पन्न और मजबूत बनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम करने की जरूरत है. इसके लिए समाज के सक्षम वर्ग को स्वप्रेरणा से आगे आने का जज्बा रखना चाहिए. वर्तमान दौर में परम्परागत व्यवस्थाओं और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाकर अपनी कार्यपद्धति का निर्धारण करना चाहिए. समय के साथ-साथ दोनों हालातों में समन्वय बनाना होगा. इंदौर का अग्रवाल समाज प्रारम्भ से ही सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है.

ये विचार हैं पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के, जो उन्होंने पीपल्याहाना स्थित होटल एएफसी पर अग्रसेन महासभा के नए अध्यक्ष राजेश जिंदल एवं सचिव अनूप सिंघल तथा उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के शपथ विधि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए. वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल विशेष अतिथि थे जबकि सीए अनिल कुमार गर्ग ने नए पदाधिकारियों को सेवा की शपथ दिलाई. प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत निवृत्तमान अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, राजेश मित्तल चौधरी, कार्यक्रम संयोजक अरुण आष्टावाले, रामनिवास मित्तल, मोहन लाल बंसल, एसएन गोयल समाधान आदि ने किया. महासभा के पूर्व अध्यक्ष पीडी अग्रवाल कांट्रेक्टर, समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु प्रसाद बिंदल, सुरेश बंसल, अशोक एरन, अजय मोतीलाल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल सहित शहर के अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं मातृशक्ति भी इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. अध्यक्ष सचिव के साथ नई कार्यकारिणी ने उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सहसचिव अजय कैलाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष त्रिलोक अग्रवाल तथा कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की.

निरंतर सेवा कार्य करते रहना चाहिए

मुख्य अतिथि डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि महाराजा अग्रसेन सही मायने में समाजवादी थे जिन्होंने धन से ज्यादा धर्मात्म को महत्व दिया और सेवा को ही जीवन का मूलमंत्र माना. अपने नाम के अनुरूप हर सेवा प्रकल्प में अग्रणी रहने वाले अग्रवाल समाज को मानव मात्र के कल्याण के लिए निरंतर सेवा कार्य करते रहना चाहिए. वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे समाज में आगे आएं और नवाचार से श्रेष्ठ समाज की स्थापना में भागीदार बनें.

विद्यासागर सोशल ग्रुप को मिले कई अवार्ड

इंदौर. दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर ने चांदखेड़ी तीर्थ क्षेत्र, खानपुर (राज.) में आयोजित अधिवेशन में भाग लिया. विद्यासागर सोशल ग्रुप, इंदौर को 2025 में किए गए कार्यों हेतु कई प्रतिष्ठित अवार्ड प्राप्त हुए. ग्रुप को श्रेष्ठ अध्यक्ष सतीश-सरिता जैन, श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष राजेंद्र-रविता जैन, श्रेष्ठ धार्मिक गतिविधिओं, सामाजिक गतिविधिओं, मानव सेवा, मनोरंजन गतिविधियों एवं शिक्षा सेवा आदि अवार्ड से सम्मानित किया गया. फेडरेशन की देश विदेश में करीब 361 शाखाएं हैं. इस राष्ट्रीय अधिवेशन में करीब 750 सदस्य पहुंचे. अधिवेशन में मनोहर झांझरी, इंदौर को पुन: राष्ट्रीय अध्यक्ष, विनय जैन(जबलपुर) को महासचिव एवं अश्विन कासलीवाल(उज्जैन) को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया. अधिवेशन में ग्रुप के परामर्शदाता आर के जैन (एक्स), अध्यक्ष सतीश जैन इला. बैंक, कार्याध्यक्ष सुनील जैन, सचिव - संतोष जैन एमपीईबी) पूर्व अध्यक्ष जे के जैन, संचालक मंडल सदस्य के एल जैन सहित अन्य सदस्य शामिल हुए. सतीश जैन के अनुसार प्रात: आदिनाथ भगवान के अभिषेक, शांति धारा के पश्चात अन्य सभी कार्यक्रम हुए।

अखंड धाम की गौशाला व मंदिर के लिए कई समाजसेवी आगे आए

- राधा कृष्ण, खाटू श्याम, राम दरबार एवं शिव दरबार की प्रतिमाओं के साथ ही प्याऊ की भी स्थापना होगी

इंदौर. बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम द्वारा ग्राम जम्बूडी हप्सी में निर्माणाधीन गौशाला एवं मंदिर के लिए अनेक समाजसेवी बंधुओं ने सेवा एवं सहयोग के लिए हाथ बढ़ाए हैं. रविवार को गौशाला परिसर में आयोजित बैठक में राधा कृष्ण, खाटू श्याम, राम दरबार एवं शिव दरबार की प्रतिमाएं स्थापित करने के साथ ही एक प्याऊ बनाने का निर्णय भी लिया गया.

आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप, व्यवस्था प्रभारी हरि अग्रवाल एवं दीपक जैन टीनू ने बताया कि गाँव में निर्माणाधीन मंदिर के तीनों शिखर व प्लास्टर का कार्य पूरा हो चुका है. मंदिर के शेष कार्य एवं मूर्तियों की स्थापना के लिए आयोजित बैठक में मंदिर निर्माण को मूर्तरूप देने हेतु चर्चा की गई जिसमें समाजसेवी विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, जगदीश गोयल बाबश्री, अशोक गोयल, राजेश गर्ग, मुरलीधर धामानी, राजेंद्र सोनी, विनय जैन, राजेंद्र तोषनीवाल, आनंद खंडेलवाल, ज्योति प्रतीक श्रीवास्तव, कोमल सुरेश अग्रवाल एवं नीलम दुबे ने मंदिर निर्माण में हरसंभव सहयोग देने के संकल्प व्यक्त किए. मुख्य रूप से राजेंद्र तोषनीवाल ने फ्लोरिंग में लगने वाले मार्बल व राधा कृष्ण की प्रतिमा, कोमल अग्रवाल ने गौशाला के जीर्णोद्धार तथा प्याऊ के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया. गाँव के पूर्व सरपंच राधेश्याम पटेल एवं अन्य ग्रामवासियों ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग करने का वचन दिया. संचालन हरि अग्रवाल ने किया और आभार माना स्वामी राजानंद ने. इस मौके पर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप ने जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा गौशाला में बोरिंग खनन के लिए दिए गए सहयोग के लिए उनके प्रति साधुवाद व्यक्त किया और मंदिर निर्माण की विस्तृत योजना बताई.

सहारा वार्ड बना बेसहारों की जिंदगी का आसरा

- 3 हजार मरीजों को मिला नया जीवन
- 400 लावारिस मरीजों को परिजनों से मिलाया
- एमवाय अस्पताल की अनूठी पहल

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवाय में संचालित सहारा वार्ड बेसहारा और लावारिस मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है. यहां अब तक करीब तीन हजार अज्ञात मरीजों का इलाज किया जा चुका है. वहीं, चार सौ से अधिक मरीजों को स्वस्थ होने के बाद उनके परिजनों से भी मिलवाया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, साल 2016 में महज 6 बेड से शुरू हुआ यह वार्ड आज 30 से ज्यादा बेड की क्षमता के साथ लगातार सेवा दे रहा है. यहां हर साल 300 से अधिक बेसहारा मरीजों का उपचार किया जाता है. वर्तमान में भी करीब 18 मरीज भर्ती हैं, जिनमें ज्यादातर 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं. सहारा वार्ड उन मरीजों के लिए बनाया गया है, जिन्हें बीमारी, दुर्घटना या लाचारी की हालत में उनके अपने ही सड़क, बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन पर छोड़ जाते हैं. ऐसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर उनका पूरा इलाज किया जाता है, साथ ही भोजन, चाय नाश्ता और दैनिक देखभाल की जिम्मेदारी भी स्टॉफ निभाता है. वार्ड का स्टॉफ ही इन मरीजों का परिवार बन जाता है.

अपनापन देने के लिए मरीजों के बीच मनाए जाते हैं सभी त्यौहार : मरीजों को अपनापन देने के लिए यहां त्योहार भी साथ मनाए जाते हैं, ताकि उन्हें अकेलापन महसूस न हो. मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घंघोरिया ने बताया कि यहां मरीजों को एम्बुलेंस, सामाजिक संस्थाओं और पुलिस के माध्यम से लाया जाता है. कई मामलों में परिजन खुद तलाश करते हुए भी पहुंच जाते हैं. मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उनकी पहचान और घर का पता लगाने के लिए पुलिस, एम्बुलेंस स्टॉफ, सामाजिक संस्थाएं और मीडियाकर्मी मिलकर काम करते हैं.

जब तक कोई सहारा नहीं मिलता, तब तक की जाती है देखभाल

आपसी समन्वय और जानकारी के आधार पर मरीजों को उनके परिवार तक पहुंचाया जाता है. जिन मरीजों के परिजन नहीं मिलते, उन्हें वृद्धाश्रमों में भेजा जाता है. जब तक उन्हें कोई सहारा नहीं मिलता, तब तक सहारा वार्ड और उससे जुड़ी संस्थाएं ही उनका परिवार बनकर देखभाल करती हैं. डीन डॉ. घंघोरिया का कहना हैं कि इन मरीजों की सेवा परिवार की तरह की जाती है. इस कार्य में लगी पूरी टीम उन्हें बेहतर इलाज व सम्मानजनक जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है.

एक नजर में — लंबे इंतजार के बाद भाजपाई नेतृत्व प्रत्यक्ष रूप से सत्ता पर काबिज होने जा रहा

नीतीश की विदाई के साथ भाजपाई दौर का होगा आगाज

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 13 अप्रैल. बिहार की राजनीति सत्ता-हस्तांतरण के उस मुहाने पर खड़ी है जहाँ एक तरफ एक लंबा व प्रभावशाली अध्याय समाप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर लंबे इंतजार के बाद भाजपाई नेतृत्व प्रत्यक्ष रूप से सत्ता पर काबिज होने जा रहा है. हालांकि नए व पुराने अध्याय के आरंभ व अंत के बीच समन्वय स्थापित करना आसान नहीं है इसलिए सबकी निगाहें केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सर्वमान्य नेता के नाम की औपचारिक घोषणा पर टिकी हुई है.

14 अप्रैल को जहां एक तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी कैबिनेट की अंतिम बैठक कर इस्तीफा देंगे वहीं भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक शिवराज सिंह चौहान द्वारा नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की जाएगी. सूत्रों की मानें तो भाजपा हाईकमान लगभग एक दर्जन से ज्यादा संभावित नामों की बहुस्तरीय जांच करने के बाद बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर मन बना चुका है हालांकि तमाम पड़ताल के बावजूद नीतीश कुमार के पसंद का खास ख्याल रखा गया है. सूत्रों की मानें तो भाजपाई रणनीतिकार नीतीश कुमार के सामने दो तीन विकल्प रखकर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन नीतीश अभी भी भाजपा द्वारा तय किए गए एक नाम की जानकारी चाह रहे हैं. इसलिए सोमवार को पूरे दिन जदयू व भाजपा के नेताओं की अलग अलग और एक साथ चार दौर की बैठक हुई है. चर्चा है कि नीतीश कुमार किसी अनुभवी नेता के हाथ सत्ता हस्तांतरण करने के पक्ष में हैं. उनका स्पष्ट मानना है कि बिहार की जाति आधारित राजनीतिक समीकरण को साधने के लिए कम अनुभवी नेता को पसंद और नापसंद के आधार पर नहीं थोपा जा सकता है इसलिए जदयू की ओर से मुख्यमंत्री का एक नाम मांगा गया है. सूत्रों की मानें तो शिवराज सिंह चौहान 14 अप्रैल को नीतीश कुमार से भी मिलेंगे और पार्टी नेतृत्व और विधायकों की भावना से अवगत कराएंगे.

सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार की पहली पसंद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं इसलिए उनका नाम मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे होने का स्पष्ट संकेत मिल रहा है. इसके अलावा संजय जायसवाल, नित्यानंद राय, जनक राम, श्रेयसी सिंह, दिलीप जायसवाल, सतीश चन्द्र दुबे, प्रेमशीला गुप्ता, रेणु देवी, संजीव चौरसिया तथा अभय गिरि जैसे कई नामों की चर्चा जोरों पर है. सूत्रों की मानें तो नाम तय किया जा चुका है लेकिन दूरगामी रणनीति के तहत इसे अचानक सार्वजनिक किया जाएगा. इतना ही नहीं जदयू कोटे से उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का नाम रखा जा रहा है ताकि जदयू भाजपाई निर्णय को स्वेच्छा से स्वीकार कर ले. बहरहाल, मंगलवार का दिन शिवराज सिंह चौहान के निगरानी में बिहार की राजनीति के लिए बहुत बड़े बदलाव के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है.